रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 720] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 23, 2017/भाद्र 1, 1939
No. 720] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 2017/BHADRA 1, 1939

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2017

सा.का.नि.1057(अ).—केन्द्रीय सरकार, धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 73 की उप-धारा (2) के खंड (ज), खंड (झ), खंड (ञ) और खंड (ट) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धन शोधन निवारण (अभिलेखों का रख-रखाव) नियम, 2005 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम धन शोधन निवारण (अभिलेखों का रख-रखाव) चौथा संशोधन नियम, 2017 है ।

   (2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. धन शोधन निवारण (अभिलेखों का रख-रखाव) नियम, 2005 के नियम 2 के उप-नियम (1) के खंड (चक) में, उप-खंड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित उप-खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा,-

   "(iii) रत्न और आभूषण सेक्टर से सम्बन्धित माल और सेवा कर आसूचना महानिदेशालय ।"

[अधिसूचना सं. 5/2017/फा.सं. पी-12011/4/2015-ईएस सेल-डीओआर]

बिप्लव कुमार नस्कर, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में सा.का.नि. सं. 444(अ), तारीख 1 जुलाई, 2005 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें सा.का.नि. 717(अ),

तारीख 13 दिसम्बर, 2005, सा.का.नि. 389(अ), तारीख 24 मई, 2007, सा.का.नि. 816(अ), तारीख 12 नवम्बर, 2009, सा.का.नि. 76(अ), तारीख 12 फरवरी, 2010, सा.का.नि. 508(अ), तारीख 16 जून, 2010, सा.का.नि. 980(अ), तारीख 16 दिसम्बर, 2010, सा.का.नि. 481(अ), तारीख 24 जून, 2011, सा.का.नि. 576(अ), तारीख 27 अगस्त, 2013, सा.का.नि. 288(अ), तारीख 15 अप्रैल, 2015, सा.का.नि. 544, तारीख 7 जुलाई, 2015, सा.का.नि. 693(अ), तारीख 11 सितम्बर, 2015, सा.का.नि. 730(अ), तारीख 22 सितम्बर, 2015, सा.का.नि. 882(अ), तारीख 18 नवम्बर, 2015, सा.का.नि. 347(अ), तारीख 12 अप्रैल, 2017, सा.का.नि. 538(अ), तारीख 1 जून, 2017 और सा.का.नि. 1038(अ), तारीख 21 अगस्त, 2017 द्वारा संशोधन किए गए थे ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 2017

G.S.R. 1057 E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clauses (h), (i), (j) and (k) of sub-section (2) of section 73 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby makes the following further amendments to the Prevention of Money-laundering (Maintenance of Records) Rules, 2005, namely:—

1. (1) These rules may be called the Prevention of Money-laundering (Maintenance of Records) Fourth Amendment Rules, 2017.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Money-laundering (Maintenance of Records) Rules, 2005, in rule 2, in sub-rule (1), in clause (fa), after sub-clause (ii), following sub-clause shall be inserted,-

"(iii) the Directorate General of Goods and Service Tax Intelligence with respect to Gems and Jewellery Sector."

[Notification No. 5/2017/F.No. P-12011/4/2015-ES Cell-DoR]

BIPLAB KUMAR NASKAR, Under Secy.

Note : The principal rules were published in Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-Section (i) vide number G.S.R. 444 (E), dated the 1st July, 2005 and subsequently amended by number G.S.R. 717 (E), dated the 13th December, 2005, number G.S.R. 389 (E), dated the 24th May, 2007, number G.S.R.816 (E), dated the 12th November, 2009, number G.S.R. 76 (E), dated the 12th February, 2010, number G.S.R. 508 (E), dated the 16th June, 2010, number G.S.R. 980 (E), dated the 16th December, 2010, number G.S.R. 481 (E), dated the 24th June, 2011 and number G.S.R. 576 (E), dated the 27th August, 2013, number G.S.R. 288 (E), dated the 15th April, 2015, number G.S.R. 544 (E), dated the 7th July, 2015, number G.S.R. 693 (E), dated the 11th September, 2015, number G.S.R. 730 (E), dated the 22nd September, 2015, number G.S.R. 882 (E), dated the 18th November, 2015, number G.S.R. 347 (E), dated the 12th April, 2017, number G.S.R. 538 (E), dated the 1st June, 2017 and number G.S.R. 1038 (E), dated the 21st August, 2017.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2017

सं. 4/2017

सा.का.नि.1058(अ).—केन्द्रीय सरकार धन शोधन निवारण, 2002 (2003 का 15) की धारा 2 की उप-धारा (1) के खंड (धक) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, किसी वित्तीय वर्ष में दो करोड़

रुपये का आवर्त वाले बहुमूल्य धातु, बहुमूल्य रत्नों और अन्य उच्च मूल के माल के व्यौहारी को पदाभिहित कारबार या वृत्ति करने वाले व्यक्ति के रूप में अधिसूचित करती है ।

स्पष्टीकरण – किसी वर्ष में इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए पूर्ववर्ती वर्ष के आवर्त को हिसाब में लिया जाएगा ।

[फा. सं. पी-12011/4/2015- ईएस सेल-डीओआर]

बिप्लव कुमार नस्कर, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 2017

No. 4/2017

G.S.R. 1058(E).—In exercise of powers conferred by sub-clause (iv) of clause (sa) of sub-section (1) of section 2 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby notifies the dealer in precious metals, precious stones and other high value goods having a turnover of rupees two crore in a financial year as a person carrying on designated business or profession.

Explanation: In any year for the purpose of this notification the turnover of previous financial year shall be taken into account.

[F. No. P-12011/4/2015-ES Cell-DoR]

BIPLAB KUMAR NASKAR, Under Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2017.08.24 15:49:29 +05'30'